DAINIK BHASKAR, Delhi, 27.8.2017
Page No. 1, Size:(11.72)cms X (20.56)cms.

क्या आपने मोबाइल पर आधार ले लिया है

एम आधार एप को लॉन्च हुए 40 दिन पूरे, आएगा अल्फा वर्जन, सुरक्षा के लिए ओटीपी और बायोमैट्रिक लॉक

संतोष ठाकुर | नई दिल्ली

आधार प्राधिकरण ने पिछले दिनों एम आधार एप लॉन्च किया है। एप की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इसे करीब 40 दिन के अंदर ही 7 लाख 26 हजार से अधिक लोगों ने डाउनलोड कर लिया है। इससे आप जहां आधार की जरूरत हो वहां अपना ई-सत्यापन करवा सकते हैं। अभी एप का बीटा वर्जन लॉन्च किया गया है और 6 माह के अंदर अल्फा वर्जन लॉन्च होगा। दरअसल, कई मामलों में यह पाया गया कि जब लोग आधार के ई-सत्यापन के लिए पहुंचे तो वहां पर या तो कंप्यूटर काम नहीं कर रहा था या इंटरनेट की कनेक्टिविटी नहीं थी। इसी कारण इस एप को लॉन्च किया गया। इसे आप अपने मोबाइल पर डाउनलोड करके दिखा सकते हैं। यानी अपने मोबाइल पर ही अपना ई-केवाईसी डाउनलोड कर सकते हैं। आधार के सीईओ डा. अजय भूषण पांडेय ने भास्कर ने कहा कि एम.आधार में यह सुविधा है कि वे अपने आधार कार्ड का डिजीटल वर्जन अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर पाए। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी न हो या कोई किसी दूसरे व्यक्ति का आधार डाउनलोड नहीं कर पाए इसके लिए दो महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पहला कि आधार व्यक्ति के रजिस्टर्ड या आधार प्राधिकरण के पास पंजीकृत नंबर पर ही डाउनलोड किया जा सकेगा।

शेष | पेज 7 पर

क्या आपने मोबाइल...

दूसरा डाउनलोड से पहले संबंधित व्यक्ति के पास एक ओटीपी या वन टाइम पासवर्ड आएगा। उसके आधार पर ही यह मोबाइल में डाउनलोड हो पाएगा। पांडेय ने बताया कि एक मोबाइल नंबर पर केवल तीन आधार ही डाउनलोड हो सकते हैं। यही नहीं, जो नंबर आधार प्राधिकरण के पास पंजीकृत है वह जिस मोबाइल में चल रहा है उसी मोबाइल पर यह डाउनलोड होगा। एक अधिकारी ने कहा कि यही नहीं, अगर एक बार आपने मोबाइल बदल लिया और पंजीकृत नंबर किसी अन्य मोबाइल पर कर लिया तो उस स्थिति में भी ई-केवाईसी डाउनलोड कार्य नहीं कर पाएगा। आपका पंजीकृत नंबर जिस मोबाइल में होगा उसी पर यह डाउनलोड होगा। सुरक्षा को लेकर एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा के लिहाजा से एक फीचर यह भी दिया गया है कि अगर आप चाहें तो अपने मोबाइल में बायोमेट्रिक लॉक और अनलॉक सुविधा भी जोड़ सकते हैं। इससे बायोमेट्रिक सिस्टम से लिंक होकर ही आपके मोाबइल चलेगा। ऐसे मोबाइल जिनमें बायोमेट्रिक सुविधा नहीं है वह ओटीपी से कार्य कर पाएंगे।

अगले चरण के बारे में एक अधिकारी ने कहा कि फिलहाल यह एप्प एंड्राइड के 5.0 वर्जन या उससे उपर पर कार्य करता है। इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता हे। इसके आईओएस वर्जन की भी तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी इसमें दो तरह की परेशानी भी सामने आ रही है। पहली कि कई लोग यह शिकायत कर रहे हैं कि उनके परिवार में तीन से अधिक लोग भी हैं लेकिन उन्होंने पंजीकृत नंबर के तौर पर परिवार के मुखिया का नाम दिया हुआ है। ऐसे में जहां यह संख्या अधिक है वहां पर यह डाउनलोड कैसे होगा। दूसरी समस्या है कि लोगों को एप्प के माध्यम से पेपर डाउनलोड करने या बायोमेट्रिक स्कैन को लेकर है। यह ठीक से काम नहीं कर रहा है। एप्प में सुधार को लेकर डा. अजय भूषण पांडेय ने कहा कि यह सतत प्रक्रिया है। एक बार अल्फा वर्जन आने के बाद भी उसमें सुधार होते रहेंगे। इसकी सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि हम एक बग प्रतियोगिता भी शुरू कर रहे हैं। लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है कि वह गलती या चूक पकड़ें और हमें बताएं। हम इसके एवज में उन्हें ईनाम भी देंगे। इससे बड़े स्तर पर जनता से भी फीड बैक हासिल होगा।